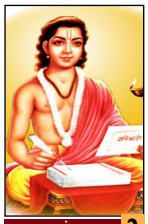

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 05 | अंक: 10 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, शनिवार 22 अगस्त, 2026 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

पूर्व विधायक ने मोरीजा निवासी दिव्यांग राजप्रित मीणा को भेंट की स्कूटी

जयपुर (संस्कार सृजन)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को संबल प्रदान करने की दिशा में एक और संवेदनशील पहल की है। उन्होंने ग्राम मोरीजा निवासी दिव्यांग राजप्रित मीणा पुत्र सरदार मीणा को दैनिक आवागमन को सुगम बनाने हेतु स्कूटी भेंट की। इस दौरान उन्होंने राजप्रित मीणा का माला पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन भी किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा, नर सेवा ही नारायण सेवा है। अंत्योदय के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए समाज के हर वंचित, पीड़ित और जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुँचाना तथा उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही हमारा मुख्य ध्येय है।

उन्होंने कहा कि शारीरिक दिव्यांगता के कारण राजप्रित जी को रोजमर्रा के कार्यों और आवागमन के लिए काफी संघर्षपूर्ण जीवन व्यतीत करना पड़ रहा था। इस छोटी सी पहल से अब उनका जीवन सुगम व आसान हो सकेगा और वे पूरे आत्मविश्वास के साथ आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ सकेंगे। इस अवसर पर प्रशासक मंगल चंद सैनी, पूर्व सरपंच बलवीर शर्मा, सरदार मीणा, रामलाल चोपड़ा, कैलाश चोपड़ा, कमलेश संत, सुल्तान गुर्जर, कुलदीप पारीक, सुरेश जांगिड़, हीरालाल सामरिया, रमेश शर्मा, नरोत्तम शर्मा, सुरज्ञान गुर्जर, सुरेंद्र स्वामी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामवासी और परिवारजन उपस्थित रहे।

आकाश कॉन्वेंट स्कूल में देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

जयपुर (संस्कार सृजन)। आकाश कॉन्वेंट स्कूल परिसर में स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व अत्यंत देशभक्ति, उत्साह और राष्ट्रीय गौरव के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। तिरंगे की आन-बान-शान और राष्ट्रप्रेम के गीतों के बीच नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रंगों से सराबोर कर दिया।

समारोह में मुख्य आकर्षण भारतीय नौसेना के वीर सेनानियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नौसेना के पूर्व सैनिक भागीरथ महला एवं उनके सुपुत्र रणवीर सिंह महला रहे।भागीरथ महला ने वर्ष 1965 एवं 1971 के भारत-पाक युद्धों के दौरान भारतीय नौसेना में रहकर अदम्य साहस से राष्ट्र की रक्षा की।

वहीं उनके सुपुत्र रणवीर सिंह महला ने भारतीय नौसेना में चीफ पेटी ऑफिसर के रूप में देश की सेवा की। पिता-पुत्र की 62 वर्षों की गौरवशाली राष्ट्रसेवा विद्यालय परिवार एवं समाज के लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा की मिसाल है। विद्यालय द्वारा उनके अतुलनीय योगदान का नागरिक अभिनंदन किया गया। स्कूल डायरेक्टर मामराज चौधरी ने बताया कि समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नृत्य, नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। स्वतंत्रता के इस अवसर पर सभी ने देश की एकता, अखंडता और निरंतर प्रगति के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन जय हिन्द और वन्दे मातरम के नारों तथा सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ हुआ।

जीएचडी वेलफेयर फाउंडेशन ने स्वतंत्रता दिवस पर बच्चों को बाँटी निःशुल्क पाठ्य सामग्री

जयपुर (संस्कार सृजन)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जयपुर शहर के बैनाड़ रोड, झोटवाड़ा स्थित जीएचडी वेलफेयर फाउंडेशन ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य सामग्री वितरित की ।

फाउंडेशन के सचिव अजय वर्मा ने बताया कि बैनाड़ रोड स्थित फाउंडेशन कार्यालय,राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय निवाणा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निवाणा और आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को भी फाउंडेशन द्वारा कॉपी, पेन और मिठाई वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन अध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा, भामाशाह रमेश खोवाल, हंसराज, जोगेंद्र, निवाणा सरपंच राजू देवी, पूर्व सरपंच ओम कुमावत, बजरंग कुमावत, आंगनबाड़ी केंद्र से संतोष शर्मा और कमला शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे ।अतिथियों ने कहा कि फाउंडेशन का यह प्रयास केवल सहयोग तक सीमित नहीं, बल्कि बच्चों की शिक्षा, आत्मविश्वास को, भविष्य को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है । शिक्षा ही सच्ची स्वतंत्रता है । एक शिक्षित बच्चा ही सशक्त समाज की नींव रखता है । जीएचडी वेलफेयर फाउंडेशन निरंतर शैक्षिक एवं सामाजिक जागरूकता अभियान के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर रहा है।

राजस्थान स्टेट आइसस्टॉक स्पोर्ट चैम्पियनशिप 2026 का हुआ सफल आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। 16-17 अगस्त 2026 को शंकर सुन्दर कॉम्प्लेक्स हरड़ी, ग्राम - हरड़ी, बस्सी, जयपुर, राजस्थान में Rajasthan State Icestock Sport Championship 2026 का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किए।

इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाड़ी 22–23 अगस्त 2026 को सूरत, गुजरात में आयोजित वेस्ट जोन चैम्पियनशिप में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। चैम्पियनशिप के आयोजक तुषार मीना ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। वहीं प्रतियोगिता के सफल संचालन, कड़ी मेहनत एवं उत्कृष्ट निर्णय व ड्यूटी के लिए ऑफिशियल रवि कुमार मीणा, मनीष कुमार भाटी, गुंजन गुर्जर एवं धर्मवीर भार्गव को भी एसोसिएशन की ओर से सम्मानित किया गया।

यह प्रतियोगिता आइसस्टॉक एसोसिएशन के मैनेजर समीर शर्मा की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। आइसस्टॉक एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की महासचिव साक्षी शर्मा ने आधिकारिक दौरे पर यह जानकारी साझा की।

बाबा अमरनाथ कावडिया संघ की द्वादश कावड़ यात्रा जलाभिषेक व महाआरती के साथ संपन्न

जयपुर (संस्कार सृजन)

देर रात्रि दिनांक 16 अगस्त 2026 को हजारों कावड़ियों के महारकला स्थित श्री मालेश्वरनाथ मंदिर में आयोजित भजन संध्या में भजन गायक प्रमोद त्रिपाठी की एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां से श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में डूबे रहे और पूरा परिसर भोलेनाथ के जयकारों से गूंजता रहा। भजन संध्या में पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, पूर्व चेयरमैन आशीष दुसाद, एडवोकेट सुनील उप्पल, ऋतुराज यादव, प्रदेश कांग्रेस सचिव अभिषेक सैनी, अरविंद यादव, डॉ. ओ पी कटारिया, गोविंद विजयवर्गीय, व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन सैनी, सायर तंवर, एम बी स्वीट्स के मदन बागड़ा, उद्योगपति मनोज अग्रवाल, ओम अग्रवाल आदि उपस्थित रहे ।

वहीं बाबा अमरनाथ कावडिया संघ की द्वादश कावड़ यात्रा का प्रातः 4.15 बजे श्री मालेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक व महाआरती के साथ शुभारंभ हुआ। यहां से भव्य आतिशबाजी के साथ हजारों की संख्या में महिला पुरूष कावड़िए एवं श्रद्धालु कावड़ लेकर चौमूं के लिए रवाना हुए तथा ग्राम महारकला, सामोद, बंदोल नीमड़ी, बाईपास होते हुए पक्का बंधा पहुंची, जहां से यात्रा में विशाल लाव-लश्कर के साथ 251 फीट भगवा ध्वज, हाथी, घोड़े, ऊंट, जालंधर का प्रसिद्ध अखाड़ा प्रदर्शन, जयपुर की बलवंत व्यायाम शाला का अखाड़ा प्रदर्शन, धार्मिक एवं आकर्षक देवी देवताओं की 12 फीट ऊंची झांकियां, अघोरी झांकी, अजमेर का प्रसिद्ध भांगड़ा, जयपुर का प्रसिद्ध बैंड विभिन्न प्रदर्शन तथा स्काउट गाइड दल शामिल करते हुए कावड़ यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए चौमूं स्थित अग्रेश्वर महादेव, अग्रवाल धर्मशाला में यात्रा का विसर्जन, सहस्त्रघट एवं महाआरती से समापन हुआ। इस दौरान अग्रवाल समाज द्वारा कावड़ियों एवं श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी शामिल थे।

चौमूं में कावड़ यात्रा के पहुंचने को लेकर शहरवासियों में भी खासा उत्साह रहा। हजारों शिवभक्तों के जयकारों, गाजे-बाजे और भव्य लाव-लश्कर के साथ चौमूं में यात्रा का भव्य स्वागत देखने को मिला । यात्रा मार्ग में दोनों और श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा, जलपान, स्वागत द्वार, डीजे, प्रमुख मंदिरों द्वारा आरती आदि कर स्वागत किया गया ।

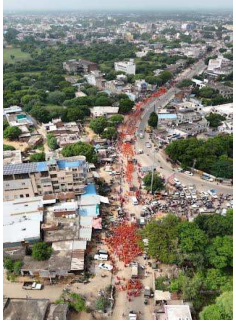

संपादकीय

भारतीय समाज में बेरोजगारी

भारतीय समाज को आम तौर पर कृषि प्रधान देश के रूप में परिभाषित किया जाता है, किन्तु यह अर्धसत्य निष्कर्ष है। असल में भारतीय समाज का बहुसंख्यक भाग दस्तकार रहा है और वह कृषकों की जरूरतें पूरा करते हुए खाद्य पदार्थ सुरक्षा अपनी मेहनत के बदले में प्राप्त करता था। लोहार, बढ़ई, तेली, जुलाहा, चर्मकार, बांसोर, नाई, धोबी, पत्थर की मूर्तियां बनाने और चिनाई का काम करने वाले, कच्ची ईंट बनाने वाले, घुमन्तु पशु पालक, भेड़ों की ऊन निकालने वाले, बाण बटाई का काम करने वाले, रंगाई-छपाई करने वाले, वूट्स स्टील बनाने वाले, और एक-एक पेशे से जुड़े हुए सहयोगी व्यवसाय करने वाले अनेक लोग रहते थे और सब एक दूसरे की जरूरतें पूरी करते हुए आराम की जिंदगी जीते थे। कोई बेरोजगार नहीं था। यह व्यवस्था एक दूसरे के सम्मान और स्वावलंबन की सोच पर आधारित थी, बाकी बारीकियां जो भी रही हों, हमें तो केवल यह देखना है कि देश कृषि के अलावा उत्पादक दस्तकारी पर ज्यादा निर्भर था। औद्योगिक क्रांति के बाद अंग्रेजी हुकूमत ने भारत की उत्पादक व्यवस्था को नष्ट करने का बीड़ा उठाया, ताकि वह अपने देश के उद्योगों में बने उत्पादों को भारत में बेच सके। क्योंकि यहां के उत्पाद गुणवत्तापूर्ण थे, इसलिए उन्होंने साम, दाम, दंड, भेद से यह कार्य करने के रास्ते अपनाए।कहीं समाज में व्याप्त छोटे मोटे मतभेदों को हवा देकर, तो कहीं बुनकरों के हाथ के अंगूठे काट कर सीधी कारवाई करके, कहीं दस्तकारों को कच्चे माल की उपलब्धता को नियंत्रित करके स्वावलंबी अर्थव्यवस्था को तोडने का काम किया गया। इसी के चलते ज्यादातर दस्तकारी से बेदखल हुए लोगों को कृषि का रास्ता पकडना पड़ा। उसमें भी स्थायी बंदोबस्त करके जागीरदारी प्रथा को कायम किया, जिससे बहुत से दस्तकारों को जागीरदारों के मजदूर काश्तकार के रूप में जीवन यापन करना पड़ा, जिससे पैदा विसंगतियां और सामाजिक टूटन आज दिन तक देश के सामने अनेक प्रत्यक्ष और परोक्ष समस्याएं खड़ी करती रहती है। अब जबकि देश की आबादी भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है तो इस औद्योगिक विस्तार के मॉडल से दस्तकार समाज की खोई हुई रोजी की भरपाई कैसे हो सकेगी, यह प्रश्न लगातार चिंता को बढ़ाता ही जा रहा है। पढ़े-लिखे बच्चे पुरानी दस्तकारी तकनीकों को अपना कर वर्तमान विकसित तकनीक वाले उद्योगों से टक्कर नहीं ले सकते हैं। वर्तमान औद्योगिक मॉडल में रोजगार प्रदान करने की क्षमता बहुत सीमित है और स्वचालित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उपायों से कामगारों की जरूरत को लगातार घटाया जा रहा है। ऐसे में खेती में भी सबको रोजगार प्राप्त नहीं हो सकता, क्योंकि अधिकांश जोतें इतनी छोटी हो चुकी हैं कि उन पर पूरे परिवार का पालन संभव ही नहीं है। पर्वतीय क्षेत्रों में तो हालात और भी ज्यादा खराब हैं, जहां 80 प्रतिशत जोतें एक हेक्टेयर से भी छोटी हैं जिनमें आधी तो 2-3 बीघे मात्र ही हैं। इतनी कम जमीन पर आदमी सम्मानपूर्वक घर-बार तो बसा सकता है और इतनी जमीन तो होनी ही चाहिए, किन्तु सम्मानजनक आय खड़ी नहीं कर सकता। सरकारी नौकरी तो मात्र दो-तीन प्रतिशत लोगों को ही स्थापित कर सकती है। तो वर्तमान सरकारी और निजी उद्योगों की नौकरी जिसमें आईटी क्षेत्र भी शामिल है, कृषि, पशुपालन की वर्तमान स्थिति के बावजूद जो बेरोजगारों की बड़ी संख्या इंतजार में खड़ी है और हर साल बढ़ती जा रही है, उनके लिए जवाब ढूंढने की जरूरत है। लोग नौकरी के इंतजार में आयु सीमा पार कर जाते हैं, फिर हताश होकर जीवन जीने को बाध्य होते हैं। ये परिस्थितियां देश के लिए सही नहीं हैं। सरकारें कोशिश करने के तमाम दावों के बावजूद जरूरत का दस प्रतिशत भी रोजगार खड़ा नहीं कर पा रही हैं। देश की अर्थव्यवस्था तो आगे बढ़ रही है, किन्तु उस अनुपात में रोजगार नहीं बढ़ रहे। हिमाचल का उदाहरण लें तो बेरोजगारों की संख्या 6 लाख 32 हजार है (31 मार्च 2025 तक), जबकि बहुत से लोग रोजगार कार्यालय में पंजीकरण को फिजूल मान कर पंजीकरण ही नहीं करवा रहे हैं। इसका अर्थ हुआ कि असली आंकड़ा और भी ज्यादा होगा। हिमाचल में पिछले तीन साल में सरकारी नौकरी 23 हजार 200 लोगों को दी गई। निजी क्षेत्र में 51 हजार को इस अवधि में नौकरी मिली। अतः प्रतिवर्ष 24 हजार 733 लोगों को नौकरी मिली। तो इस दर से 6 लाख 32 हजार लोगों को नौकरी मिलने में 25 वर्षों से ज्यादा समय लगेगा। तब तक और कितने बेरोजगार इसमें जुड़ जाएंगे, यानी यह अनंत इंतजार का खेल है। धन्य है हमारे राजनेताओं को, जो इतनी साफ तस्वीर होने के बावजूद लोगों को पीछे लगाए रखते हैं और सच नहीं बोलते। जो बोलेगा वह जाएगा। यानी हम आम नागरिक भी सच सुनना ही नहीं चाहते। न योजना बनाने वाला और न लाभार्थी, जब दोनों ही सच सुनने को तैयार नहीं तो समस्या का समाधान कैसे निकलेगा।

पुत्रदा एकादशी पर क्या पराए घर का पानी पीना चाहिए? पढ़ें इससे जुड़े नियम

सावन मास की पुत्रदा एकादशी इस बार 23 अगस्त को है। इस दिन कई शुभ योग भी बन रहा है और इस दिन व्रत रखने से भगवान विष्णु का आशीर्वाद भी मिलता है। आइए जानें इस दिन क्या करना चाहिए और किस तरह व्रत रखना चाहिए। पुत्रदा एकादशी पर किन नियमों का पालन करना चाहिए। दरअसल कुछ छोटी-छोटी बातें जिन्हें हमें जानना चाहिए। क्योंकि एकादशी व्रत में इनका बहुत अधिक महत्व है। इस दिन पूजा पाठ करें और सिर्फ श्रीहरि का ध्यान करें। इस दिन एकादशी व्रत का महात्मय और कथा दोनों का पाठ करना बहुत ही जरूरी है। आइए जानते हैं इनमें बारे में

किन नियमों का पालन एकादशी व्रत में करना चाहिए? कहा जाता है कि जो पवित्र एकादशी व्रत का पालन करता है, वह वैकुण्ठधाम में जाता है। भगवान श्रीहरि को व्रत रखने वाले बहुत पसंद हैं। उपवास-व्रत में तत्पर रहें और धर्मकार्य में संलग्न मनुष्य चाण्डालों और पतितों की ओर कभी न देखें। जो नास्तिक हैं, जो निन्दक और चुगली करते हैं, ऐसे लोगों से उपवास-व्रत करनेवाला पुरुष कभी बातचीत न करें। जमीनपर सोये, ब्रह्मचर्यका पालन करें व्रत के बाद द्वादशीके दिन भगवान लक्ष्मीपति से निवेदन करके एकाग्रचित्त हो ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए और दक्षिणा देनी चाहिए। इसके बाद खुद से भी मौनभावसे भोजन करना चाहिए। द्वादशी पर भी सभी नियमों का पालन करना चाहिए। इस व्रत का महत्व दशमी से शुरू हो जाता है। एकादशी के दिन रात को पूरे भक्तिभाव से एकादशी जागरण करना चाहिए। इसमें श्रीहरि के गीत गाएं।

इस दिन पराए घर का जल भी ना पिएं

इस दिन पराए घर का जल भी ग्रहण ना करें, जो भी खाएं अपने घर में खाएं। जो व्यक्ति परायी स्त्रियोंमें आसक्त रहता है, ऐसे मनुष्य से ना बोलें और आदर न करे। जो इस प्रकारके दोषों से रहित, शुद्ध, जितेन्द्रिय औक सबके हितमें तत्पर है, वह उपवास करने के बाद परम सिद्धि को प्राप्त कर लेता है। कहा जाता है कि माता के समान कोई गुरु नहीं है। भगवान विष्णु के एकादशी व्रत के समान कोई व्रत नहीं है। इसलिए हमें तन और मन से एकादशी का व्रत करना चाहिए।

कब है पुत्रदा एकादशी-

इस साल सावन पुत्रदा 23 अगस्त 2026, रविवार को मनाई जाएगी। 23 अगस्त को रात 2.00 बजे से शुरू होकर 24 अगस्त को सुबह 4.18 बजे तक रहेगी।

अमूल्य ज्ञान का बोध

❋ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

❋ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

❋ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

❋ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1ा.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

❋ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

❋ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

❋ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

❋ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

❋ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

❋ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयपुर (संस्कार सृजन)

फ्रेंड्स क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान चलाया गया । इसी प्रकार ग्राम पंचायत आलीसर के ही ढाणी कृष्णापुरी के स्थित शिवालय हनुमान जी महाराज के मन्दिर परिसर में तथा ढ़ाणी परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम हुआ ।

इस कार्यक्रम में क्लब के भगवान सहाय यादव ने बताया कि अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर फलदार,छायादार एवं औषधीय पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में युवा नेता महेंद्र कुमार खातोदिया, कैलाश बुनकर , हरफूल कुमावत , दिनेश कुमार यादव ,नंछी देवी , निर्मला यादव , अनिल कुमार , विकास कुमार ,आलीसर से अध्यापिका मनीषा मीणा सहित उपस्थित लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर फ्रेंड्स क्लब संयोजक डॉ.लक्ष्मी नारायण सामरिया ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण, गर्मी और जलवायु परिवर्तन को देखते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आमजन से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, वर्षगांठ अथवा अन्य शुभ अवसर पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी जिम्मेदारी लेकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे। इस अवसर पर अध्यापक रोहित मीणा, उपस्थित रहे।

नोवाल नेचर केयर हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में किया पौधारोपण

बधाल (संस्कार सृजन)। आरएन नोवाल फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन कार्यक्रम के तहत असम स्टेट के भारतीय जनता पार्टी के कोषाध्यक्ष व बैंक ऑफ़ इंडिया के इंडिपेंडेंट डायरेक्टर राजकुमार शर्मा ने नोवाल नेचर केयर हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर गदड़ी बधाल में पौधारोपण किया । इनके साथ उद्योगपति श्याम सुंदर जोशी भी मौजूद रहे ।

राजकुमार शर्मा ने कहा कि वृक्ष हमें आक्सीजन प्रदान करते हैं और इनसे जीवन मिलता है । व्यक्ति को स्वस्थ रखने के लिए पेड़ पौधों का विशेष महत्व है, इसलिए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए ।आरएन नोवाल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं भामाशाह रामनिवास नोवाल ने कहा कि फाउंडेशन द्वारा विभिन्न स्थान पर पौधारोपण करवाया जा रहा है । पौधा वितरण का कार्यक्रम भी किया जा रहा है इस अवसर पर नोवाल नेचर केयर के सीएमओ डॉक्टर राकेश शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए । राजकुमार शर्मा पिछले 9 दिनों से नोवाल नेचर केयर हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे ।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष : कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी, लेकिन अनियोजित खर्चों पर नियंत्रण रखें। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। साथी के साथ गलतफहमी दूर करने का प्रयास करें।हनुमान जी को चोला या लाल पुष्प अर्पित करें।

वृषभ: कारोबार में उन्नति और अटके हुए धन की प्राप्ति के योग हैं। नई योजनाओं में निवेश लाभदायक रहेगा।स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। मानसिक शांति के लिए योग-ध्यान अपनाएं। परिवार के साथ किसी मांगलिक यात्रा पर जा सकते हैं।मां लक्ष्मी को खीर का भोग लगाएं और चावल का दान करें।

मिथुन: नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।काम के दबाव के कारण सिरदर्द या तनाव हो सकता है। खान-पान संतुलित रखें।वाणी पर नियंत्रण रखें; अपशब्दों से रिश्तों में कड़वाहट आ सकती है।गणेश जी को दूर्वा (घास) चढ़ाएं।

कर्क: व्यापार में मध्यम लाभ होगा।पैसों से जुड़े बड़े फैसले सोच-समझकर ही लें।मौसमी बीमारियों से बचाव रखें। पुराने रोग उभर सकते हैं।जीवनसाथी के साथ भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंता रह सकती है।सोमवार को शिवलिंग पर जल और दूध अर्पित करें।

सिंह : कार्यक्षेत्र में आपके प्रभुत्व और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। धन लाभ के नए स्रोत बनेंगे।ऊर्जावान महसूस करेंगे, लेकिन खान-पान पर ध्यान देना आवश्यक है।लव लाइफ में मधुरता बनी रहेगी। मांगलिक कार्यों की योजना बनेगी।सूर्यदेव को तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं।

कन्या: नौकरी और व्यापार दोनों में सफलता के योग हैं। बड़े निवेश से फिलहाल बचें।आंखों में जलन या नींद की कमी महसूस हो सकती है।पुराने मित्रों या रिश्तेदारों से मुलाकात हो सकती है। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।बुधवार के दिन हरी मूंग की दाल का दान करें।

तुला: आर्थिक मामलों में बजट का ध्यान रखें। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ तालमेल बिठाएं।त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। खुद को हाइड्रेटेड रखें।पार्टनर के साथ थोड़ा मतभेद हो सकता है, बातचीत से मामले को सुलझाएं।छोटी कन्याओं को फल या मिष्ठान दान करें।

वृश्चिक: अटके काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का मार्गदर्शन लाभ पहुंचाएगा।मानसिक रूप से थोड़ा तनाव संभव है। दिनचर्या नियमित रखें।परिवार में सुख-शांति रहेगी। प्रेम संबंधों में गहराई आएगी।मंगलवार के दिन सुंदरकांड का पाठ करें या हनुमान चालिसा पढ़ें।

धनु :पैतृक संपत्ति या रुके हुए काम से धन लाभ होगा। नए व्यावसायिक सौदे मिल सकते हैं।स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। नियमित व्यायाम करें।धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। परिजनों के साथ समय बिताएंगे।गुरुवार को चने की दाल और हल्दी का दान करें।

मकर: करियर में मेहनत का फल मिलेगा। व्यापार में साझेदारों से सहयोग मिलेगा।घुटनों या जोड़ों के दर्द से परेशानी हो सकती है।जीवनसाथी की सलाह से लाभ होगा। लव लाइफ में समझदारी से काम लें।शनिवार के दिन शनिदेव को सरसों का तेल चढ़ाएं और दीपक जलाएं।

कुंभ: आय सामान्य रहेगी, खर्चे बढ़ सकते हैं। किसी भी तरह के जोखिम भरे निवेश से बचें। पेट की समस्या या आलस्य परेशान कर सकता है।परिजनों के साथ सामंजस्य बिठाने की जरूरत है। बातचीत में पारदर्शिता रखें।शनिवार को पक्षियों को दाना डालें या काले तिल का दान करें।

मीन: नौकरी में परिवर्तन या नया अवसर मिल सकता है। व्यावसायिक स्थिरता बढ़ेगी।स्वास्थ्य ठीक रहेगा, योग-प्राणायाम से लाभ होगा।प्रेम जीवन में सकारात्मक मोड़ आएगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा।विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें या केले के वृक्ष का पूजन करें।

(कहानी) ख़ामोशी

एक छोटे से शहर में विवेक और स्नेहा की हँसती-खेलती दुनिया बसी थी। उनकी शादी को पाँच साल हो चुके थे। शुरुआत के दिन किसी हसीन सपने की तरह गुज़रे थे, जहाँ छोटी-छोटी बातें भी खुशियों का सबब बन जाती थीं। लेकिन जैसे-जैसे वक़्त बीता, रोज़मर्रा की भागदौड़, दफ़्तर की ज़िम्मेदारियाँ और घर के खर्चों के बीच दोनों के रिश्ते में एक खामोशी घुलने लगी।

विवेक बैंक में मैनेजर था। सुबह आठ बजे घर से निकलता और देर रात थका-हारा लौटता। स्नेहा एक स्कूल में अध्यापिका थी। घर संभालने और नौकरी के बीच वह भी पूरी तरह थक जाती थी। अब उनके बीच शाम को चाय की चुस्कियों के साथ होने वाली बातें ख़त्म हो चुकी थीं। संवाद की जगह केवल ज़रूरी हिदायतों ने ले ली थी- सब्ज़ी ख़त्म हो गई है, बिजली का बिल भर दिया? या आज मुझे आने में देर होगी।

एक शाम, विवेक दफ़्तर से जल्दी आ गया। स्नेहा रसोई में खाना बना रही थी। विवेक सीधे अपने कमरे में चला गया और लैपटॉप खोलकर बैठ गया। स्नेहा ने चाय का कप उसके मेज़ पर रखा, लेकिन विवेक ने बिना ऊपर देखे सिर्फ़ थैंक्स कह दिया। स्नेहा का दिल भर आया। वह चुपचाप बालकनी में जाकर खड़ी हो गई और ढलते सूरज को देखने लगी।

प्रभाती लाल सैनी

तभी बाहर तेज़ बारिश शुरू हो गई। बारिश की बूंदों की आहट सुनकर विवेक कमरे से बाहर आया। उसने देखा कि स्नेहा बालकनी में खड़ी है और उसकी आँखों में आँसू हैं। विवेक का मन सिहर उठा। उसे अहसास हुआ कि वे दोनों एक ही छत के नीचे रहते हुए भी एक-दूसरे से कितने दूर हो गए हैं।

विवेक धीरे-धीरे स्नेहा के पास गया और उसके कंधे पर हाथ रखा। क्या हुआ स्नेहा? सब ठीक तो है?

स्नेहा ने मुड़कर उसकी तरफ़ देखा और भारी आवाज़ में कहा, हम कब इतने बदल गए विवेक?

हम बातें तो करते हैं, लेकिन एक-दूसरे को सुनते नहीं। हम साथ रहते हैं, लेकिन साथ नहीं हैं।

विवेक को अपनी ग़लती का अहसास हुआ। उसने स्नेहा का हाथ अपने हाथों में लिया और कहा, तुम्हें याद है स्नेहा, शादी के पहले साल जब ऐसी बारिश होती थी, तो हम छत पर जाकर समोसे खाया करते थे?

स्नेहा के होठों पर एक हल्की सी मुस्कान आ गई, हाँ, याद है। पर अब तो तुम्हारे पास मेरे लिए दो मिनट का समय भी नहीं होता।

विवेक ने स्नेहा से वादा किया, ज़िंदगी की इस दौड़ में मैं बहुत आगे निकल जाना चाहता था, लेकिन यह भूल गया कि इस सफ़र में सबसे प्यारा हमसफ़र तो पीछे छूट रहा है। अब ऐसा नहीं होगा।

उस दिन विवेक ने अपना लैपटॉप बंद कर दिया और दोनों ने मिलकर बारिश का लुत्फ़ उठाया। उन्होंने ढेर सारी पुरानी यादें ताज़ा कीं और एक-दूसरे की बातें सुनीं।

पति-पत्नी का रिश्ता केवल एक छत के नीचे रहने का नाम नहीं है, बल्कि एक-दूसरे के सुख-दुख को बाँटने, एक-दूसरे को समय देने और बिना कहे मन की बात समझ लेने का नाम है। उस शाम बारिश की बूंदों ने उनके रिश्ते पर जमी धूल को धो दिया था और उनके जीवन में प्यार का नया वसंत लौट आया था।

आंगनबाड़ी केंद्र में भामाशाह ने भेंट किया छत का पंखा

चौमूं (संस्कार सृजन)। गोविन्दगढ़ पंचायत समिति के ग्राम मोरीजा के वार्ड नंबर 1, सामोद रोड नीमड़ी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में भामाशाह ओम प्रकाश सैनी द्वारा एक छत का पंखा भेंट किया गया ।आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कांता सैनी और सहायिका किरण सैनी ने भामाशाह ओम प्रकाश सैनी का आभार जताया और कहा कि भामाशाह आगे आए तो आंगनबाड़ी केंद्र का कायाकल्प हो सकता है । साथ ही प्रशासन से आंगनबाड़ी केंद्र के भवन के लिए भूमि आवंटन की मांग की ।

UEM जयपुर ने ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2026 में नए स्टूडेंट्स का किया स्वागत

जयपुर (संस्कार सृजन)

यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जयपुर में ओरिएंटेशन प्रोग्राम-2026 आयोजित किया गया, जिसमें UEM जयपुर परिवार में नवागंतुक छात्र एवं छात्राओं का स्वागत किया गया। यह प्रोग्राम स्टूडेंट्स को यूनिवर्सिटी, इसके एकेडमिक इकोसिस्टम, लीडरशिप, फैकल्टी मेंबर्स, डिपार्टमेंट्स, सपोर्ट सिस्टम्स और उनकी हायर-एजुकेशन जर्नी के दौरान उनके लिए उपलब्ध मौकों का एक इंस्पायरिंग इंट्रोडक्शन देने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

प्रोग्राम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद राष्ट्र गीत गायन और यूनिवर्सिटी का इंट्रोडक्शन हुआ। चांसलर सत्यजीत चक्रवर्ती की याद में एक स्पेशल वीडियो भी दिखाया गया, जिससे प्रोग्राम की इमोशनल और डिग्निटीफुल शुरुआत हुई।

वाइस चांसलर (डॉ.) बिस्वजॉय चटर्जी ने उन्हें इंस्टीट्यूशन द्वारा दिए गए मौकों का ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा उठाने की सलाह दी।

प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार, UEM जयपुर ने डिसिप्लिन, रेगुलरिटी, प्रोफेशनल कंडक्ट और ज़िम्मेदार नागरिकता के महत्व पर ज़ोर दिया।

डॉ. अनिल जैन, हेड, डिपार्टमेंट ऑफ़ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल ने हेल्थ, वेलबीइंग और प्रोफेशनल डेवलपमेंट से जुड़ी बातें शेयर कीं।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड असेसमेंट की इंडिया में नेशनल सेल्स हेड, संगीता मेहता ने इंडस्ट्री पर आधारित नज़रिया बताया, जिसके बाद मेक्लिन सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के ह्यूमन रिसोर्स जनरलिस्ट, यश शर्मा ने नौकरी पाने की क्षमता और प्रोफेशनल उम्मीदों के पहलुओं पर रोशनी डाली। अडानी सीमेंट के रीजनल मैनेजर, निपुण बैद ने भी मौजूद लोगों को संबोधित किया और स्टूडेंट्स के साथ इंडस्ट्री का नज़रिया शेयर किया।

लॉ एनफोर्समेंट, हेल्थकेयर, पब्लिशिंग, ह्यूमन रिसोर्स और कॉर्पोरेट सेक्टर के प्रोफेशनल्स की मौजूदगी ने ओरिएंटेशन को काफी अहमियत दी, जिससे स्टूडेंट्स क्लासरूम के बाहर की उम्मीदों और मौकों को समझ पाए।

UEM जयपुर की चांसलर प्रो.बनानी चक्रवर्ती ने नए एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को शुभाशीर्वाद एवं हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि यूनिवर्सिटी लाइफ की शुरुआत मौकों, चुनौतियों और संभावनाओं से भरे एक नए चैप्टर की शुरुआत है। मैं UEM जयपुर परिवार में हर नए स्टूडेंट का स्वागत करती हूं ।

IEM-UEM ग्रुप के डायरेक्टर प्रो. डॉ. सत्यजीत चक्रवर्ती ने नए छात्रों को बधाई दी और यूनिवर्सिटी लाइफ के शुरुआती सालों में एक मजबूत नींव बनाने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि "UEM जयपुर में बिताए गए साल आपकी ज़िंदगी के सबसे अहम सालों में से एक होंगे।

वैभव तोषनीवाल फाउंडेशन की ओर से धोबलाई गांव में किया निःशुल्क राशन वितरण

जयपुर (संस्कार सृजन)। जयपुर के वैभव तोषनीवाल फाउंडेशन की ओर से गोविंदगढ़ पंचायत समिति के धोबलाई गांव में प्रशासक रमेश शर्मा के सानिध्य में गांव के 10 परिवारों को निःशुल्क राशन वितरण किया गया ।

फाउंडेशन के ट्रस्टी दामोदर तोषनीवाल और स्नेहलता तोषनीवाल ने बताया कि धोबलाई गांव के 10 परिवारों को निःशुल्क मंथली राशन देना शुरू किया है । पिछले 10 वर्षों से हर साल 150 कंबल जरूरतमंदों को वितरित की जाती हैं । साथ ही निः शुल्क एजुकेशन लोन भी बच्चों की पढ़ाई के लिए दिया जाता है ।

प्रशासक के रमेश शर्मा ने बताया कि पुण्य की जड़ सदा हरी रहती है । ईसान को समय-समय पर पुण्य के कार्य अवश्य करते रहना चाहिए ।

राज्य में परिवहन वाहनों की जांच में कर विभाग की बड़ी कार्रवाई
अगस्त माह में अब तक प्रदेशभर से 13 परिवहन वाहनों को किया गया डिटेन

जयपुर(नि.सं.)। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा कर चोरी एवं बिना वैध दस्तावेजों के माल परिवहन के विरुद्ध राज्यभर में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान विभिन्न जिलों में परिवहन वाहनों की जांच की गई, जिसमें नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर अगस्त माह में अब तक कुल 13 परिवहन वाहनों को डिटेन कर कार्रवाई की गई। विभागीय कार्रवाई के अंतर्गत जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, नागौर, बीकानेर, दौसा, धौलपुर एवं कोटा जिलों में वाहनों की जांच की गई। डिटेन किए गए वाहनों में ओम शिव ट्रांसपोर्ट कंपनी, कोहितूर ट्रांसपोर्ट एलएलपी, जड़िया ट्रांसपोर्ट कंपनी, एस.के. ट्रांसपोर्ट कंपनी एवं जी.सी. कैरियर सहित अन्य परिवहनकर्ता शामिल हैं।

सारस्वत परिवार तीज उत्सव में संस्कृति, परंपरा और उत्साह का जमा रंग

जयपुर (संस्कार सृजन)

सारस्वत महिला मंडल, जिला जयपुर द्वारा सारस्वत ब्राह्मण समाज, जिला जयपुर एवं सारस्वत युवा मंडल, जिला जयपुर के सहयोग से आयोजित सारस्वत परिवार सावन उत्सव सीजन 5 - आया सावन झूम के तीज उत्सव का आयोजन महल रजवाड़ा रिसोर्ट, वैशाली नगर, जयपुर में उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सावन-तीज की पारंपरिक रंगत, पारंपरिक वेशभूषा, रैम्प वॉक, कपल्स की भागीदारी, नृत्य प्रस्तुतियों, मनोरंजक गेम्स और विशेष आकर्षणों ने सभी का मन मोह लिया।

उपाध्यक्ष राखी शुक्ला ने बताया कि आयोजन की शुरुआत गणेश वंदना तथा दीप प्रज्वलन सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर के महामंत्री सुरेश सारस्वत,विशिष्ट अतिथि सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर के अध्यक्ष जगन्नाथ शर्मा तथा महिला मंडल जिला जयपुर की अध्यक्षा कुलदीप शर्मा तथा आयोजक टीम

के सभी सदस्य द्वारा हुआ।

गणेश भगवान की वंदना से आयोजन का श्रीगणेश हुआ। महिला मंडल द्वारा यह पांचवीं बार सफल समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित महिलाओं तथा कपल्स रैंप वाक किया जिसके अंतर्गत 60 वर्ष से ऊपर की सावन महारानी का खिताब मंजू शर्मा ने , 40-60 में रितु सारस्वत ने मझली सावन रानी का, पहले रनर अप मनीषा शर्मा, 20-40 में सलोनी शर्मा ने लाडो रानी तथा पहले रनर अप प्रशंसा शर्मा ने जीते।

रविका एवं राहुल शर्मा की जोड़ी ने हुकुम सा- रानी सा का टाइटल जीता, संध्या एवं रजत सारस्वत ने बन्ना सा एवं बन्नी सा का टाइटल जीता। निर्णायक की भूमिका कीर्ति सारस्वत तथा जाने-माने एंकर ऋषभ द्वारा किया गया।

समाज के गणमान्य अतिथि में सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर के महामंत्री सुरेश सारस्वत , दिनेश सारस्वत (उपाध्यक्ष) प्रशांत गोस्वामी (प्रचार मंत्री), ललिता शुक्ला (अध्यक्षा अखिल राजस्थान, पुष्कर), युवा मंडल जिला जयपुर अध्यक्ष रजत सारस्वत , कर्नल धर्मवीर शर्मा ,रविंद्र शर्मा , डॉ. अभिषेक ओझा, शकुंतला ओझा, केप्टन डोली भी उपस्थिति रहीं। आयोजन में महिला मंडल की पदाधिकारी डॉ. सरीना कालिया, राखी शुक्ला, सुनीता उपाध्याय, ऋतु ओझा, रचना शर्मा, डॉ. मिनीता ओझा, संगीता शर्मा, वसुधा सारस्वत,सोनी ओझा, सरला शर्मा, कुसुम शर्मा, रजत शर्मा का योगदान विशेष रहा। महिला मंडल की अध्यक्षता कुलदीप शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। सहयोग कर्ता में वीरेन्द्र -संगीता शर्मा, शकुंतला ओझा, धमेन्द्र -सुनीता ओझा, मालती, संगीता शुक्ला, निशा शुक्ला, शोभा सारस्वत का गुप्त राशि सहयोग रहा ।

इनाया फाउंडेशन को नारी चौपाल के लिए मिला जिला प्रशासन द्वारा सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चौगान स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में इनाया फाउंडेशन, जयपुर को समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं जयपुर जिला कलेक्टर संदेश नायक द्वारा सम्मानित किया गया।

नितिशा शर्मा, सचिव, इनाया फाउंडेशन ने यह सम्मान संस्था की ओर से प्राप्त किया। संस्था को भांकरोटा अग्निकांड से प्रभावित लोगों को काउंसलिंग एवं मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा जयपुर के 17 ब्लॉक और नारी चौपाल में कार्य करने के लिए भी सम्मानित किया गया।

इनाया फाउंडेशन के गुड टच-बैड टच अभियान से जयपुर में बेटी बचाओ बेटी पढाओ 54,000 से अधिक छात्र जुड़े हैं और 25 से अधिक जिलों में 5.द्यलाख से भी अधिक जागरूक किए गए हैं। संस्था बाल सुरक्षा, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और अन्य सहायता सेवाओं के प्रति भी जागरूकता फैला रही है।

अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य की भविष्यवाणी फिर हुई सच साबित

जयपुर (संस्कार सृजन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता। पंडित रविंद्र आचार्य की सटीक भविष्यवाणियों की सूची में एक और बड़ी सफलता जुड़ गई है। चौमूं नगर परिषद् के वार्ड नंबर 13 के आगामी चुनाव/आरक्षण

लॉटरी को लेकर रविंद्र आचार्य द्वारा की गई भविष्यवाणी आज अक्षरशः सही साबित हुई।उल्लेखनीय है कि लगभग 15 दिन पूर्व समाजसेवी जीतू सैनी ने जब पंडित रविंद्र आचार्य से वार्ड नंबर 13 की आरक्षण स्थिति को लेकर पूछा गया था कि वार्ड में महिला सीट आएगी या पुरुष, तब उन्होंने पूरे विश्वास के साथ स्पष्ट भविष्यवाणी की थी कि वार्ड नंबर 13 में महिला सीट ही आरक्षित होगी।

आज जब औपचारिक रूप से आरक्षण लॉटरी की घोषणा हुई, तो पंडित के कहे अनुसार वार्ड नंबर 13 महिला प्रत्याशी के लिए ही आरक्षित हुआ। जैसे ही यह परिणाम सामने आया, स्थानीय लोगों, समर्थकों और क्षेत्रवासियों में पंडित रविंद्र आचार्य की दूरदर्शिता एवं उनके ज्योतिष ज्ञान को लेकर अपार हर्ष और उत्साह देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि पंडित जी की सटीक गणना और ईश्वर की कृपा से उनकी कही हर बात धरातल पर सच साबित होती है। क्षेत्रवासियों ने पंडित रविंद्र आचार्य जी का आभार व्यक्त किया ।

बीकानेर हाउस में सजा राजस्थान का पारंपरिक स्वाद

तीजोत्सव में दिखी खान-पान और संस्कृति की समृद्ध झलक

जयपुर(नि.सं.)। नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में 24 अगस्त तक आयोजित हो रहे 'तीजोत्सव 2026' में राजस्थान की समृद्ध खान-पान परंपरा और पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों की विशेष झलक देखने को मिल रही है। तीजोत्सव के दौरान दिल्लीवासियों को राजस्थान के पारंपरिक स्वाद, आतिथ्य और सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने का अवसर मिल रहा है। इस अवसर पर प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने बताया कि तीजोत्सव का उद्देश्य राजस्थान की समृद्ध लोक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के साथ-साथ उसकी विशिष्ट पाक-कला को भी व्यापक मंच प्रदान करना है। राजस्थानी व्यंजन केवल स्वाद का विषय नहीं हैं, बल्कि वे राजस्थान की लोक संस्कृति, परंपरा, आतिथ्य और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि तीजोत्सव में राजस्थान के विभिन्न अंचलों के पारंपरिक एवं लोकप्रिय व्यंजन विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। इनमें दाल-बाटी-चूरमा, गट्टे की सब्जी, केर-सांगरी, बाजरे की रावड़ी, मिर्ची बड़ा, कढ़ी-पकौड़ा

सहित अन्य पारंपरिक व्यंजन शामिल हैं। राजस्थानी व्यंजनों के साथ पारंपरिक मिठाइयों एवं पकवानों की भी विशेष व्यवस्था की गई है। घेवर, मिल्क केक और रबड़ी जैसे व्यंजन राजस्थान की विशिष्ट मिठास और पाक-कला की समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित कर रहे है।

मेले में संगीत प्रतियोगिता का आयोजन -तीजोत्सव को और अधिक मनोरंजक और उत्साहवर्धक बनाने के लिए बुधवार को संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ रोहित कुमार आवासीय राजस्थान सरकार, नई दिल्ली में तमिलनाडु सरकार के आवासीय आयुक्त आशीष कुमार तथा राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष रामावतार किला ने किया।

रोहित कुमार ने बताया कि जिसमें सभी वर्ग के महिला व पुरुषों ने राजस्थानी लोक संगीत और पारंपरिक प्रस्तुतियों का गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानपूर्वक उपहार भेंट किए गए। उन्होंने बताया कि बीकानेर हाउस में आयोजित यह उत्सव आगंतुकों को राजस्थान की विविधता और विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

राजस्थान पुलिस की नशे के विरूद्ध विशेष रणनीति,हर बुधवार होगी एंटी नारकोटिक कार्रवाइयों की समीक्षा

डीजीपी के स्पष्ट निर्देश - नशे के नेटवर्क पर करें कार्रवाई

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान पुलिस द्वारा नशे के विरूद्ध विशेष रणनीति तैयार कर अब नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई की हर सप्ताह समीक्षा करने का निर्णय लिया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार पुलिस मुख्यालय में प्रत्येक बुधवार नशे के विरुद्ध राज्य स्तर के अभियानों एवं कार्रवाइयों की विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। बुधवार, 19 अगस्त को पुलिस महानिदेशक राजस्थान राजीव शर्मा की अध्यक्षता में ऐसी प्रथम साप्ताहिक समीक्षा बैठक में पुलिस अधिकारियों को नशे के नेटवर्क तथा इसमें शामिल अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। इस मौके पर डीजीपी शर्मा ने कहा कि नशे और नशे के कारोबार में लिप्त अपराधियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस नशे की तस्करी के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और इससे जुड़े लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे।

सात माहों में हुई सर्वाधिक कार्रवाइयां

डीजीपी शर्मा ने कहा कि गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2026 के शुरुआती सात माह में ही अधिक एंटी नारकोटिक कार्रवाइयां की गई हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्रवाई को सिर्फ नशे की बरामदगी और गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रखा जाए बल्कि पूरे नेटवर्क को चिह्नित कर उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए।

आधारभूत ढांचा होगा और अधिक मजबूत

शर्मा ने बताया कि प्रदेश में एंटी नारकोटिक गतिविधियों को और गति देने के लिए आधारभूत ढांचे को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। इससे नशे के खिलाफ अभियान को बेहतर समन्वय, मजबूत सूचना तंत्र और प्रभावी निगरानी के साथ आगे बढ़ाया जा सकेगा। उन्होंने जिलों में नशे के हॉटस्पॉट चिह्नित कर नियमित निगरानी रखने तथा नशे की तस्करी से जुड़े अपराधियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए पुलिस की जागरूकता गतिविधियों को भी लगातार बढ़ाया जाए।

बैठक में 19 से 31 अगस्त तक सभी जिलों के स्कूल एवं कॉलेजों में विशेष जागरूकता अभियान के दिशा निर्देश जारी किए ।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी